REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 8 | ISSUE - 2 | NOVEMBER - 2018

शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण दक्षता का सहसंबंधात्मक अध्ययन

Dr. (Smt.) Kavita Verma[1] and Hiteshwari Aadil[2]
[1] Assistant Professor, Department of Education, Kalyan PG College, Bhilai ,Durg (CG).
[2] Assistant Professor, Department of Education, Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya, Durg (CG).

सारांश–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण दक्षता के मध्य सहसंबंध का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण दक्षता के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना है। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श हेतु दुर्ग संभाग के दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 300 शिक्षकों (शहरी क्षेत्र विद्यालयों के 150 पुरूष शिक्षक(75) एवं महिला शिक्षक(75) तथा ग्रामीण क्षेत्र विद्यालयों के 150 पुरूष शिक्षक(75) एवं महिला शिक्षक(75) का चयन किया गया है। अध्ययन हेतु पासी एवं ललिथा (2011) द्वारा निर्मित शिक्षण दक्षता *मापनी उपकरण का उपयोग किया गया है। एवं बुतिया* (2014) *द्वारा निर्मित व्यावसायिक विकास मापनी उपकरण का उपयोग किया गया है। प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण सहसंबंध द्वारा किया गया है।*

प्रस्तावना–

व्यावसायिक विकास शैक्षिक सुधार के लिए लगभग हर आधुनिक प्रस्ताव में एक महत्वपूर्ण घटक है। शिक्षा का केद्रीय घटक विद्यार्थी है, और उन्हें सही दिशा निर्देशन करने वाला प्रमुख घटक अध्यापक है। लर्निंग टू बी (1972) यूनेस्को में कहा गया है '' शिक्षाशास्त्रीय प्रशिक्षण मानव व्यक्तित्व के विभिन्न अयामों के खोज एवं सम्मान की दृष्टि से संचालित किये जाने चाहिये। व्यावसायिक स्थितियों जिनमें कि शिक्षकों को शिक्षित किया जाना है। उनमें गहन परिवर्तन की आवश्यकता है, ताकि वे मात्र पूराने ढरें के पाठ्यक्रमों को छात्रों तक पहुंचाने विशेषज्ञ न बनकर सही शिक्षा–प्रदाता बन सकें। इण्टरनेशनल एनसाइक्लोपीडीय ऑफ टींचिग एण्ड टीचर एजूकेशन (1987) को देखते है तथा शिक्षण दक्षता ज्ञान , योग्यता एवं विश्वास का वह समूह है जो शिक्षक मानता है और उनको अनुप्रयोग शिक्षण में करता है। दक्षता उस संप्रत्यय एवं कौशल को भी मानते है जिनमें लचीलापन होता है और विभिन्न परिस्थितियों में प्रयोग में आते है। शिक्षण दक्षता के दो प्रमुख स्वरूप है प्रथम ,सामान्य दक्षता जो प्रत्येक विषय के शिक्षण के प्रयोग में आते है,जैसे पाठ प्रारम्भ करना ,ब्लैक बोर्ड का सही प्रयोग , प्रबलन ,उच्च कोटि के प्रश्न पूछना , पाठ समापन इसी प्रकार विशिष्ट विषय सम्बन्धित शिक्षण दक्षता होती है। जैसे वैज्ञानिक विचारों का सम्प्रेषण (लिखित कार्य द्वारा, मौखिक,सारणी बनाकर, रेखाचित्र बनाकर) प्रायोगिक कार्य पर आधिपत्य (उपकरणों का सही प्रयोग , अवलोक अंकित करना) वैज्ञानिक बोध (प्रयोग की रूपरेखा बनाने की योग्यता , ज्ञान को नवीन परिस्थितियों में प्रयोग में लाने की योग्यता स्पष्ट करना)

वार्ष्णेय (2014) ने शिक्षक शिक्षा में नवाचार के प्रति व्यवहार पर एक अध्ययन किया। शोध अध्ययन के अनुसार शिक्षकों की गुणवत्ता में सुधार के लिए नवाचार आवश्यक है तथा विद्यालय शिक्षा में सुधार लाने के लिए शिक्षक शिक्षा प्रणाली में नवाचार एक महत्वपूर्ण वाहन है और उन्होनें यह भी बताया कि नवाचारों के बिना प्रगति संभव नही है। अतः शिक्षकों को नवीन होना आवश्यक है। **खुराना एवं अन्य (2014)** ने विद्यालय विज्ञान

की सतत् व्यावसायिक विकास शिक्षण : अनुसंधान के विश्लेषण का अध्ययन किया । शोध अध्ययन के अनुसार शिक्षा में सुधार के लिए प्राथमिकता में शिक्षक की व्यावसायिक विकास के लिए अनुसंधान आवश्यक है। यह शिक्षकों को उचित वातावरण तैयार करने और रणनीतियों को रोजगार देने की मांग करता है। जो विद्यार्थीयों को नवीन ज्ञान दे सके और प्रोत्साहित कर सके । अतः व्यावसायिक विकास पर सेवा पूर्व एवं सेवा में क्षिक्षकों को ध्यान देने की आवश्यकता है। **अहमद** (2015) ने बी.एड. महाविद्यालयों के भावी शिक्षकों में शिक्षक प्रशिक्षण के प्रति दृष्टिकोण पर एक अध्ययन किया। शोध अध्ययन के अनुसार शिक्षकों में शिक्षक प्रशिक्षण के प्रति दृष्टिकोणो पर सार्थक अंतर पाया गया। **पटनायक और डेविडसन (2015)** ने शिक्षक गुणवत्ता सुनिश्चित करने में व्यावसायिक विकास की भूमिका का अध्ययन किया। शोध अध्ययन के अनुसार एक शिक्षक छात्र के कैरियर को प्रभावित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। **माथुर (2016)** ने शहरी शिक्षकों के कक्षा प्रबंधन में व्यावसायिक विकास पर अध्ययन किया। शोध अध्ययन के अनुसार व्यावसायिक विकास के अवसरों को विकसित करने के लिए परिलब्धियों के विचारों को ध्यान में रखना आवश्यक है। यहा कक्षा प्रबंधन में शिक्षकों को व्यावसायिक विकास का सकारात्मक प्रभावी सहायता प्रदान करता है।

शिक्षकों में व्यावसायिक विकास की आवश्यकता है तथा ज्ञान, एवं कौशल तथा अभिवृत्तियों की दक्षता भी होनी चाहिये। व्यावसायिक लक्षण युक्त व्यक्ति आवश्यक वृद्धि करके जीवन में व्यावयायिक दक्षता प्राप्त करेगा। इस प्रकार, अध्यापक के विकास और वृद्धि की पूर्णता जीवन का संदर्भ विकसीत करेगा। एक अध्यापक प्रशिक्षक की कुछ ऐसा नवीन ज्ञान एवं कार्य क्षेत्र प्रतिदिन प्रस्तुत करना चाहिऐ, जिसमें वह प्राचीन विषय से संबंधित ज्ञान छात्रों एवं छात्राध्यापकों को प्रदान कर सके। प्रशिक्षण की नवीन विधि होनी चाहिए। इस विधि के स्त्रोत से नवीन ज्ञान की धारा प्रवाहित हो ऐसा प्रयत्न करना चाहिए।

उद्देश्य–

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण दक्षता के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।

परिकल्पना

H_0r उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण दक्षता के मध्य सहसंबंध नही पाया जायेगा।

विधि – प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

परिसीमा – प्रस्तुत अध्ययन में छ.ग. राज्य के दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का चयन किया गया है।

न्यादर्श– प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श हेतु दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 300 शिक्षकों (शहरी क्षेत्र विद्यालयों के 150 पुरूष शिक्षक(75) एवं महिला शिक्षक(75) तथा ग्रामीण क्षेत्र विद्यालयों के 150 पुरूष शिक्षक(75) एवं महिला शिक्षक(75) का चयन किया गया है।

उपकरण–प्रस्तुत शोध में अध्ययन हेतु बी.के. पासी एवं एम.एस. ललिथा (2011) द्वारा निर्मित शिक्षण दक्षता मापनी उपकरण का उपयोग किया गया है एवं योदिदा बुतिया (2014) द्वारा निर्मित व्यावसायिक विकास मापनी उपकरण का उपयोग किया गया है।

सांख्यिकीय उपचार– प्रस्तुत शोध अध्ययन में सांख्यिकीय उपचार हेतु कार्ल पिर्यसन प्रोडक्ट मोमेंट सहसंबंध ज्ञात किया गया है।

परिणाम एवं विवेचना

H_0r उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण दक्षता के प्राप्तांको के मध्य सहसंबंध नही पाया जायेगा।

तालिका कमांक 1.01

व्यावसायिक विकास	शिक्षण दक्षता					शिक्षण दक्षता
	योजना	प्रस्तुतीकरण	अंतिम	मूल्यांकन	प्रबंधन	
ज्ञान	.034 **NS**	.047 **NS**	.127*	.059 **NS**	.004 **NS**	.063 **NS**
शिक्षण में दक्षता	.625**	.01 **NS**	.595**	.578**	.835**	.046 **NS**
वचनबद्धता एवं उत्तरदायित्व	.126*	.034 **NS**	.130*	.128*	.127*	.122*
नेतृत्व एवं व्यक्तिगत प्रभाव	.042 **NS**	.032 **NS**	.106 **NS**	.093 **NS**	.006 **NS**	.059 **NS**
आत्मोन्नति एवं अध्ययन विस्तार	.116*	–.123*	.080 **NS**	.022 **NS**	.014 **NS**	.004 **NS**
व्यावसायिक विकास	.090 **NS**	.0081 **NS**	.136*	.105 **NS**	.048 **NS**	.080 **NS**

N=300, ** 0.01 स्तर पर सार्थकता , * 0.05 स्तर पर सार्थकता, NS= Not Significant

तालिका कमांक 1.01 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम ज्ञान का शिक्षण दक्षता के आयाम योजना (r =.034) प्रस्तुतीकरण (r = .047) मूल्यांकन (r = .059) प्रबंधन (r = .004) एवं शिक्षण दक्षता के मध्य (r = .063) सार्थक सहसंबंध नही पाया गया किन्तु शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम ज्ञान का शिक्षण दक्षता के आयाम अंतिम के मध्य (r = .127) सकारात्मक सार्थक सहसंबंध पाया गया । अतः उपरोक्त परिकल्पना कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम ज्ञान का एवं शिक्षण दक्षता के आयाम योजना, प्रस्तुतीकरण, मूल्यांकन, प्रबंधन एवं कुल शिक्षण दक्षता के लिए स्वीकृत होती है। केवल व्यावसायिक विकास के आयाम ज्ञान का शिक्षण दक्षता के आयाम अंतिम के लिए परिकल्पना अस्वीकृत होती है। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि शिक्षकों के ज्ञान अच्छा होने से शिक्षण दक्षता के आयाम शिक्षण अंतिम भी अच्छा होगा।

पुनः तालिका कमांक 1.01 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम शिक्षण में दक्षता का शिक्षण दक्षता के आयाम प्रस्तुतीकरण (r = .01) एवं शिक्षण दक्षता (r = .046) सार्थक सहसंबंध नही पाया गया किन्तु शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम शिक्षण में दक्षता का शिक्षण दक्षता के आयाम योजना (r =.625) अंतिम (r = .595) मूल्यांकन (r = .578) प्रबंधन (r = .835) सकारात्मक सार्थक सहसंबंध पाया गया । अतः उपरोक्त परिकल्पना कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम शिक्षण में दक्षता का शिक्षण दक्षता के आयाम प्रस्तुतीकरण , कुल शिक्षण दक्षता के लिए स्वीकृत होती है। केवल व्यावसायिक विकास के आयाम शिक्षण में दक्षता का शिक्षण दक्षता के आयाम योजना ,अंतिम , मूल्यांकन, प्रबंधन के लिए परिकल्पना अस्वीकृत होती है। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि शिक्षकों के शिक्षण में दक्षता अच्छा होने से शिक्षण में योजना ,शिक्षण अंतिम, मूल्यांकन , प्रबंधन भी अच्छा होगा।

पुनः तालिका कमांक 1.01 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम वचनबद्धता एवं उत्तरदायित्व का शिक्षण दक्षता के आयाम प्रस्तुतीकरण (r = .034) सार्थक सहसंबंध

नही पाया गया किन्तु शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम वचनबद्धता एवं उत्तरदायित्व का शिक्षण दक्षता के आयाम योजना (r =.126)) अंतिम (r = .130) मूल्यांकन (r = .128) प्रबंधन (r = .127) शिक्षण दक्षता के मध्य (r = .122) सकारात्मक सार्थक सहसंबंध पाया गया । अतः उपरोक्त परिकल्पना कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम वचनबद्धता एवं उत्तरदायित्व का एवं शिक्षण दक्षता के आयाम प्रस्तुतीकरण के लिए स्वीकृत की जाती है। केवल व्यावसायिक विकास के आयाम वचनबद्धता एवं उत्तरदायित्व का शिक्षण दक्षता के आयाम योजना ,अंतिम , मूल्यांकन , प्रबंधन एवं शिक्षण दक्षता के लिए परिकल्पना अस्वीकृत होती है। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि शिक्षकों के वचनबद्धता एवं उत्तरदायित्व अच्छा होने से शिक्षण दक्षता के आयाम योजना ,अंतिम , मूल्यांकन , प्रबंधन एवं शिक्षण दक्षता भी अच्छा होगा।

पुनः तालिका क्रमांक 1.01 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम नेतृत्व एवं व्यक्तिगत प्रभाव का शिक्षण दक्षता के आयाम योजना (r =.042) प्रस्तुतीकरण (r = .032) अंतिम (r = .106) मूल्यांकन (r = .093) प्रबंधन (r = .006) एवं शिक्षण दक्षता के मध्य (r = .059) सार्थक सहसंबंध नही पाया गया अतः उपरोक्त परिकल्पना कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम नेतृत्व एवं व्यक्तिगत प्रभाव का शिक्षण दक्षता के आयाम योजना, प्रस्तुतीकरण, अंतिम, मूल्यांकन, प्रबंधन एवं कुल शिक्षण दक्षता के लिए स्वीकृत होती है।

पुनः तालिका क्रमांक 1.01 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम आत्मोन्नति एवं अध्ययन विस्तार का शिक्षण दक्षता के आयाम अंतिम (r = .080) मूल्यांकन (r = .022) प्रबंधन (r = .014) एवं शिक्षण दक्षता के मध्य (r = .004) सार्थक सहसंबंध नही पाया गया किन्तु शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम आत्मोन्नति एवं अध्ययन विस्तार का शिक्षण दक्षता के आयाम योजना (r =. 116) सकारात्मक एवं प्रस्तुतीकरण (r = –.123) नकारात्मक सार्थक सहसंबंध पाया गया । अतः उपरोक्त परिकल्पना कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम आत्मोन्नति एवं अध्ययन विस्तार का शिक्षण दक्षता के आयाम शिक्षण अंतिम, मूल्यांकन, प्रबंधन एवं कुल शिक्षण दक्षता के लिए स्वीकृत की जाती है। केवल व्यावसायिक विकास के आयाम आत्मोन्नति एवं अध्ययन विस्तार का शिक्षण दक्षता के आयाम योजना, प्रस्तुतीकरण के लिए परिकल्पना अस्वीकृत होती है। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि शिक्षकों के आत्मोन्नति एवं अध्ययन विस्तार अच्छा होने से शिक्षण दक्षता के आयाम योजना, प्रस्तुतीकरण भी अच्छा होगा।

पुनः तालिका क्रमांक 1.01 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि शिक्षकों के व्यावसायिक विकास का शिक्षण दक्षता के आयाम योजना (r =.090) प्रस्तुतीकरण (r = .0081) मूल्यांकन (r = .105) प्रबंधन (r = . 048) एवं शिक्षण दक्षता के मध्य (r = .080) सार्थक सहसंबंध नही पाया गया किन्तु शिक्षकों के व्यावसायिक विकास का शिक्षण दक्षता के आयाम अंतिम (r =.136) सकारात्मक सार्थक सहसंबंध पाया गया । अतः उपरोक्त परिकल्पना कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास का शिक्षण दक्षता के आयाम योजना, प्रस्तुतीकरण, मूल्यांकन, प्रबंधन एवं कुल शिक्षण दक्षता के लिए स्वीकृत होती है। केवल व्यावसायिक विकास का शिक्षण दक्षता के आयाम अंतिम के लिए परिकल्पना अस्वीकृत होती है। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि शिक्षकों के व्यावसायिक विकास अच्छा होने से शिक्षण दक्षता के आयाम शिक्षण अंतिम भी अच्छा होगा।

निष्कर्ष

व्यावसायिक विकास एवं उसके आयामों (ज्ञान , शिक्षण में दक्षता ,वचनबद्धता एवं उत्तरदायित्व, नेतृत्व एवं व्यक्तिगत प्रभाव ,आत्मोन्नति एवं अध्ययन विस्तार) के प्राप्तांको का शिक्षण दक्षता एवं उसके आयामों (योजना, प्रस्तुतीकरण, अंतिम, मूल्यांकन, प्रबंधन) के प्राप्तांको के मध्य इस प्रकार संबंध दशार्या गया है ज्ञान का अंतिम के साथ , शिक्षण में दक्षता का योजना अंतिम मूल्यांकन प्रबंधन , वचनबद्धता एवं उत्तरदायित्व के साथ योजना अंतिम मूल्यांकन प्रबंधन शिक्षण दक्षता , आत्मोन्नति एवं अध्ययन विस्तार के साथ योजना प्रस्तुतीकरण तथा व्यावसायिक विकास का अंतिम के साथ सकारात्मक सार्थक सहसंबंध पाया गया ।

अध्ययन में व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण दक्षता के मध्य सकारात्मक सार्थक सहसंबंध यह स्पष्ट करता है कि व्यावसायिक विकास की वृद्धि से शिक्षण दक्षता में वृद्धि होती है। अतः शिक्षकों के शिक्षण दक्षता को सुधार करने के लिए व्यावसायिक विकास की आवश्यकता होती है। तथा शिक्षण कार्य जैसे शिक्षण कौशल , शिक्षण विधि आदि को बेहतर बनाया जा सकता है। वर्तमान समय में शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण दक्षता अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

संदर्भित ग्रंथ सूची

Ahmad,A.S. (2015).Development of Attitude Towards Teaching Among Perspective Teacher of Punjab ,Pakistan. *International Journal Of Current Research and Academic Review* , Vol. 3(1) , pp. 101 -108

Bhutia, Y.(2014) : "Manual for Professional Development." *National Psychological Corporation*, 4/230,Kacheri Ghat Agra.

Khan,A.(2017).Blog-based professional development of English teachers in Mumbai: The potential of innovative practice under scrutiny . *Australasian Journal of Educational Technology*, 33(4).

Khurana, p., Kandpal, B.M. (2014).Continuous Professional Development of School Science Teachers: Critical Analysis of Research Trends . *Journal of Business Management & Social Sciences Research.* Volume 3(6). p-52-55

Mathur,S.R.(2016).Understanding Urban Teachers' Perceptions forProfessional Development in Classroom Management. *Journal of Education and Training*, Vol. 3, No. 1 ISSN 2330-9709

Passi, B.K. & Lalitha, M.S. (2011) : "Manual for General Teaching Competency Scale." *National Psychological Corporation*, 4/230,Kacheri Ghat Agra.

Patnaik,S & Dsvidson,M. (2015). The role of professional development in Ensuring teacher quality. *International Journal of English Language Teaching* Vol.3, No.5, pp.13-19

Ramdas,V.(2013). Professional development of teachers: practice and promise. *journal of Indian education* volume XXVIII number 4 page no 27-36

Varshney,B.& Joshi,N.(2014) Innovate Practise in Teacher Education. *Journal of Education and Practise,* Vol. 5(7),pp. 95 – 101

LBP PUBLICATION